

डाक पंजीयन क्र. L/RNP/म.प्र./मन्दसौर/122/2024-26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे
गुरु एक्सप्रेस
सुबह का अखबार
संपादक - आशुतोष नवाल

वर्ष 19	अंक 105	पृष्ठ 4	मन्दसौर	मंगलवार 28 जनवरी 2025	मूल्य 2 रुपया
---------	---------	---------	---------	-----------------------	---------------

मंदसौर, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। स्कूली छात्रों के बीच मारपीट का मामला सोमवार को शहर थाना कोतवाली पहुंचा। मिली जानकारी के अनुसार अभिनन्दन नगर में रहने वाले छात्र जो की एनएस सिंघवी स्कूल में कक्षा 9वीं में पढ़ता है, वह स्कूल के पास बहन से बात कर रहा था। तभी वहा 3 छात्र आते हैं और उससे कहते हैं की तु भी इन कामों में पड़ गया। जिस पर आवेदक नाबालिग छात्र ने कहा की क्या हुआ। यह बात सुनते ही उन छात्रों ने नाबालिग आवेदक के साथ मारपीट की।

मारपीट करने के बाद वे छात्र चले गए, नाबालिग आवेदक ने अपने परिजनों को इस मारपीट की जानकारी दी। जिसके बाद परिजन स्कूल पहुंचे और स्कूल के प्रिंसिपल से बात की। लेकिन, स्कूल के प्रिंसिपल ने उन्हें मारपीट करने वाले छात्र से मिलने से मना कर दिया। स्कूल के स्टॉफ ने मारपीट करने वाले छात्रों से बात की और उन्हें वहां से क्लास में भेज दिया और शिकायतकर्ता छात्र व उसके परिजनों को यह कहकर वापस घर भेज दिया की तुम मामला छोड़ दो। क्योंकि उन लोगो का तुम कुछ नहीं गिगाड़ सकते। जिसके बाद छात्र अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचा और शिकायती आवेदन दिया। पीडित व मारपीट करने वाले सभी नाबालिग हैं।

विचार-मंथन



हादसों की पटरी पर दौड़ती भारतीय रेल...

भारतीय रेल से सफर को अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता से लैस बनाने के दायों और वादों के बीच हकीकत यह है कि आए दिन हादसे सामने आते रहते हैं। हर दुर्घटना के बाद जांच, राहत और मुआवजे की घोषणा की बात कुछ समय बाद आई-गई हो जाती है और फिर कुछ दिन बाद कोई नई दुर्घटना की खबर आ जाती है। आखिर यह कब सुनिश्चित होगा कि यात्रियों के लिए रेल से सफर करना सुगम और सुरक्षित है? गौरतलब है कि महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार को पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने के शोर के बाद यात्रियों के बीच ऐसी बदहवास फैली कि जान बचाने की कोशिश में कई लोग उस ट्रेन से बाहर कूद

गए और घबराहट में पटरी पर इधर-उधर भागने लगे। इस बीच बगल की पटरी पर तेज रफ्तार से आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आकर तेरह लोगों की जान चली गई। इससे संबंधित जो क्योरे सामने आ सके हैं, उसके मुताबिक यह घटना किसी व्यक्ति के अफवाह उड़ाने से मची घबराहट का नतीजा है, लेकिन इतना साफ है कि अचानक उपजी अव्यवस्था से निपटने के लिए भारतीय रेल के पास शायद कोई तंत्र नहीं है। यह विडंबना ही है कि कभी किसी तकनीकी गड़बड़ी तो कभी किसी कर्मचारी की लापरवाही या फिर चूक की वजह से ट्रेन हादसे और उनमें जानमाल के नुकसान का एक सिलसिला-सा बन गया है। इसके

अलावा, अब किसी अफवाह की वजह से भी ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है कि उसमें बेहद तकलीफदेह तरीके से उन लोगों की जान चली जा सकती है, जिन्होंने अपने गंतव्य पर पहुंचने के लिए ट्रेन से सफर करना चुना होगा। वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, मगर आए दिन होने वाले ऐसे हादसे यह बताते हैं कि ट्रेनों से यात्रा करना किस तरह असुरक्षित हो गया है। अगर ताजा हादसे का कारण आग लगने की अफवाह है, तो भी चलती ट्रेन में अचानक उपजी स्थिति से निपटने और यात्रियों की सुरक्षा के लिए आखिर रेलवे के पास कौन-सा तंत्र है? ताजा घटना से यही साफ हुआ है कि अगर किसी अफवाह से स्थिति बिगड़ी तो उस पर तुरंत

प्रतिक्रिया देने वाली रेलवे की कोई टीम नहीं थी। कहने को हर स्तर पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही जाती है, लेकिन किसी हादसे के बाद रेल महकमे का यह आश्वासन एक तरह से उन दावों को आईना दिखाता है। पिछले कुछ समय से ट्रेन हादसों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। अफसोसनाक यह है कि हादसों के सिलसिले के बावजूद इसकी जिम्मेदारी लेने को कोई तैयार नहीं होता। एक वक़्त था जब एक रेल दुर्घटना के बाद रेलमंत्री ने इस्तीफा दे दिया था। मगर आज नैतिकता की कसौटी पर इस तरह का उदाहरण मिलना मुश्किल हो गया है कि बड़े ट्रेन हादसों के बाद भी महकमे के संबंधित अधिकारी या मंत्री किसी भी रूप में अपनी

जिम्मेदारी स्वीकार करें। दुर्घटना के बाद औपचारिकता पूरी करने के लिए जांच की घोषणाओं के नतीजे क्या आते हैं और उसके बाद कार्रवाई क्या होती है, इसके बारे में आम लोगों को शायद ही कभी पता चल पाता है। रेल महकमे में खाली पड़े पदों पर नियुक्तियों को लेकर कोई संजीदगी नहीं दिखती। इसके समीप ट्रेनों के सफर को ज्यादा से ज्यादा सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के नाम पर यात्रियों से किस-किस मद में टिकट के तौर पर पैसे वसूले जाते हैं, यह छिपा नहीं है। मगर आए दिन होने वाले हादसे यह बताते हैं कि रेल महकमे के भीतर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अपेक्षित चिंता नहीं दिखती है।

पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया

मंदसौर, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने बताया कि महाविद्यालय में 76वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी एवं प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने तिरंगा ध्वज फहराकर झंडा वंदन किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा एनसीसी व एनएसएस प्लाटून का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत एन.एस.एस. व एन.सी.सी. प्लाटून ने मार्च पास्ट कर समस्त अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया।

संस्था प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ था। उन्होंने महाविद्यालय में इन्टरस्ट्रक्चर के साथ बौद्धिक व अकादमिक उन्नति की भी बात कही। समारोह के मुख्य अतिथि स्थानीय प्रबंधन समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी ने सभी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस भारत के संविधान को लागू करने की याद में मनाया जाता है, जो देश के नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को परिभाषित करता है। गणतंत्र दिवस देश की राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है। समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गीत व भाषण प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एनसीसी व एनएसएस प्लाटून को उत्कृष्ट परेड हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्री अशोक जालोया समेत



महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. वी.पी. तिवारी, डॉ. डी.सी. गुप्ता समेत महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। वहीं जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में एन.सी.सी. बॉयज व गर्ल्स तथा एन.एस.एस. प्लाटून ने भाग लिया और सीनियर वर्ग परेड में एनसीसी बॉयज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता को सी.एम. हेल्पलाइन में उत्कृष्ट कार्य हेतु जिला कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

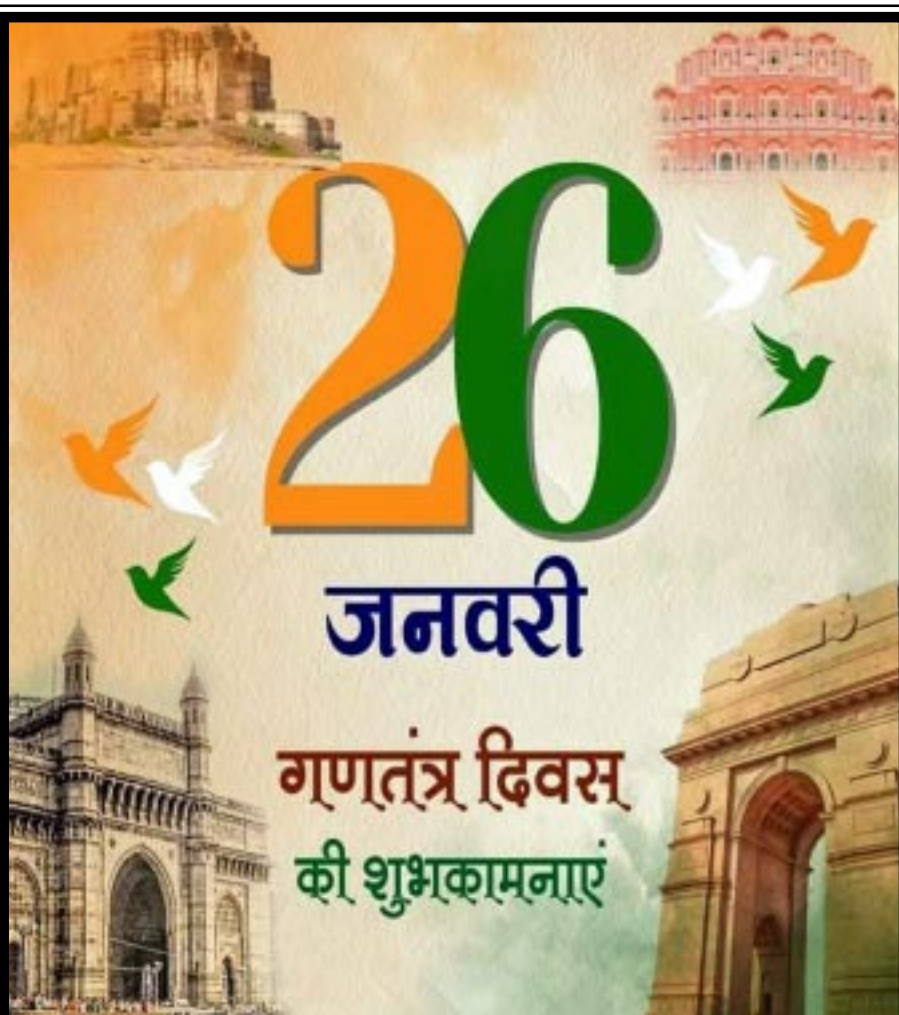
सैनिक स्कूल मंदसौर में जोश व उत्साह के साथ मनाया 76 वां गणतंत्र दिवस

मंदसौर, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सैनिक स्कूल मंदसौर में 76वां गणतंत्र दिवस बड़े ही जोश व उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ध्वजारोहण मुख्य अतिथि विद्या भारती मध्य क्षेत्र मंत्री श्री जितेंद्र सिंह परिहार, विशिष्ट अतिथि कर्नल ज्योति प्रकाश कंपनी 5 एमपी एनसीसी बटालियन व भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के सचिव श्री अशोक पारीख द्वारा किया गया। सैनिक स्कूल मंदसौर के कैंडेल्स द्वारा ध्वज को सशस्त्र सलामी दी गई। घोष व परेड ने सम्मानित मंच को सैल्यूट करते हुए झिल का प्रदर्शन किया। जोश, शौर्य व पराक्रम से भरपूर कार्यक्रम जिसमें लेजिम प्रदर्शन, पिरामिड, अनेक रेस्क्यू ऑपरेशन दिखाते हुए जय जवान जय

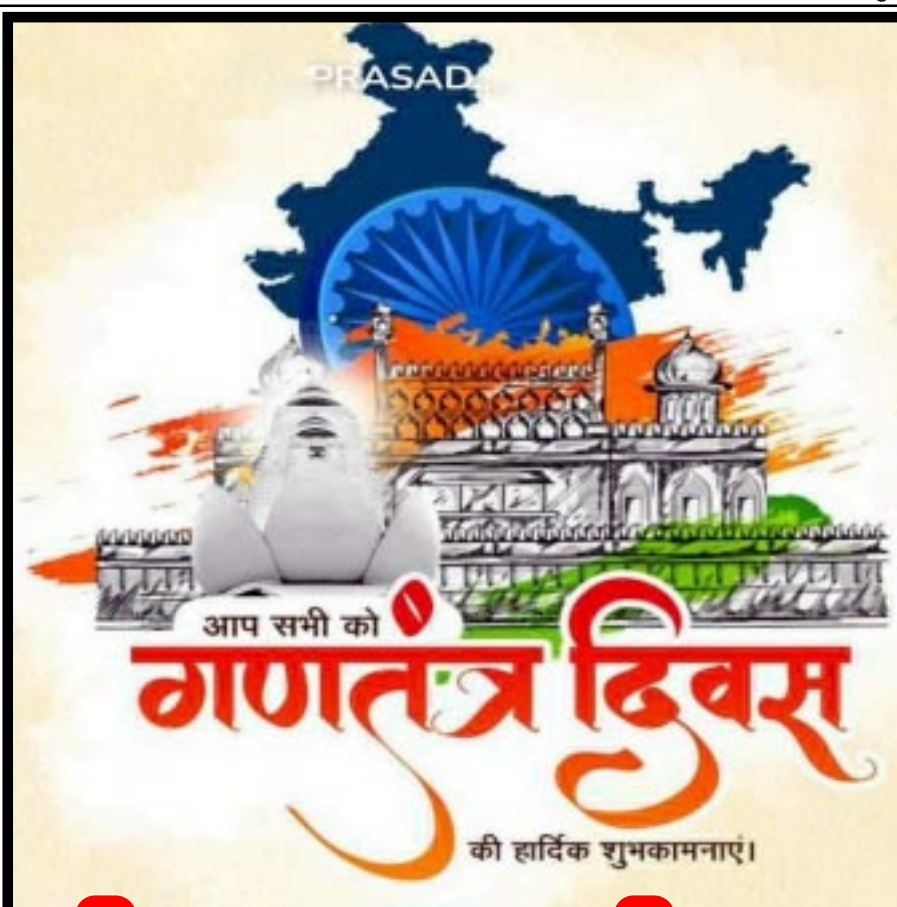


किसान की थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि श्री परिहार ने अपने उद्बोधन में विश्व को एक माला में किस प्रकार पिरोया जाए इसके बारे में बात की। विशिष्ट अतिथि ने अपने उद्बोधन में

संविधान के निर्माण व संविधान में हमारे दायित्व अधिकारों के संबंध में कहा। कार्यक्रम के दौरान सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के प्रबंधक श्री सुनील शर्मा, सदस्य श्री रविंद्र पांडे, केशव नगर समिति के अध्यक्ष श्री रविंद्र सोहनी, सैनिक स्कूल मंदसौर प्राचार्य डॉ. सरोज प्रसाद, कमांडेंट कर्नल एसएम सिंह, बीएड कॉलेज की प्राचार्य योगिता सोमानी, एमपी बोर्ड विद्यालय के प्राचार्य श्री महेश वसा, सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई के प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, छात्रावास अधीक्षक श्री कमल किशोर गोटी, सैनिक स्कूल मंदसौर की उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड़, सैनिक स्कूल मंदसौर की टीम, आचार्य परिवार व कैंडेल्स उपस्थित रहे।

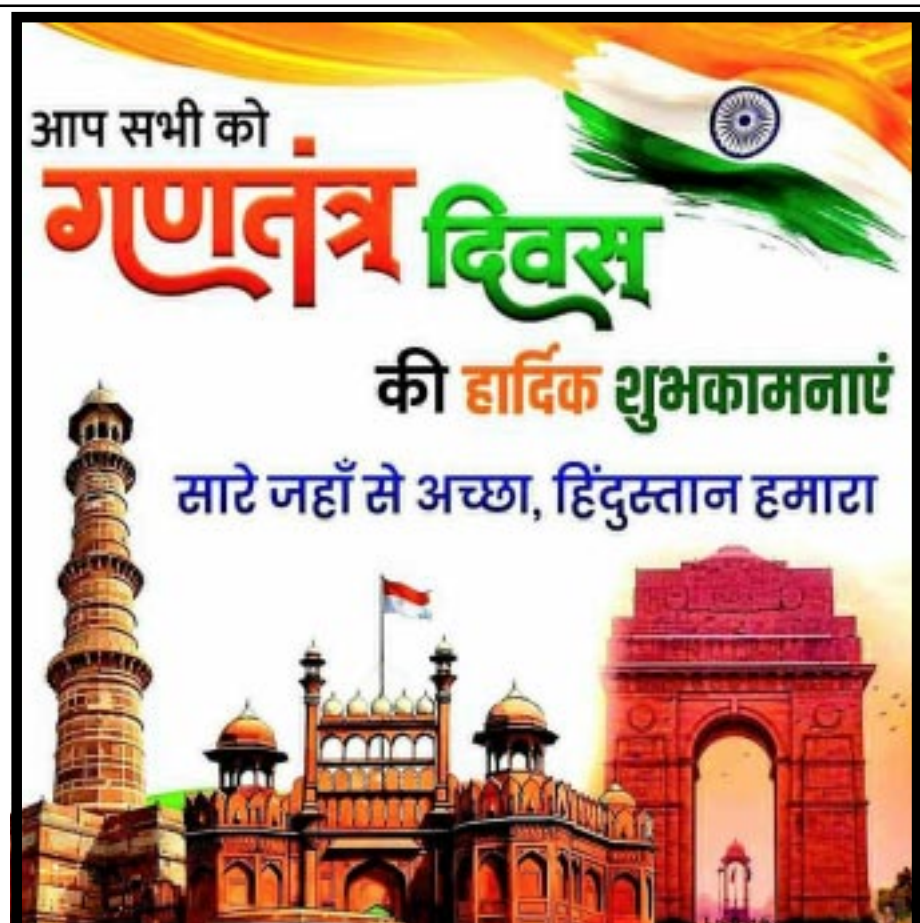


कृषि उपज मंडी समिति, मंदसौर (म.प्र.)



जिला स्वास्थ्य विभाग

एवं स्टॉफ, जिला मंदसौर (म.प्र.)



जिला वन मण्डलाधिकारी

एवं स्टॉफ, जिला मंदसौर (म.प्र.)



जिला शिक्षा विभाग

एवं स्टॉफ, जिला मंदसौर (म.प्र.)



जिला खनिज विभाग

एवं स्टॉफ, जिला मंदसौर (म.प्र.)



पी.डब्ल्यू.डी. विभाग

एवं स्टॉफ, जिला मंदसौर (म.प्र.)



है। इस अवसर पर गोपाल सिंह बज्रपूर, अजीत नाहर, महेश आर्य, दीपक बसेर, श्री चंद भावनानी, दुर्गाश चंदेल, सोहेल कुरेशी, रवि विनायक, घनश्याम चौहान, वकेश सेन, कान्हा सेन, भाविक सेन, अक्षय सेठिया, भेरूलाल कुमावत, कन्हैयालाल कुमावत, देवेन्द्र खाबिया, मोहनपुरी गौरसामी, खालिक शेख आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संवादन खानपुरा मंडल अध्यक्ष रमेश बिजवानानी ने किया। वही सभी का आभार जताते हुए शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. रावचंद्र सिंह होलार ने किया।

उत्तराखंड का नाम इतिहास में हुआ दर्ज...

यूसीसी लागू करने वाला बना पहला राज्य, हलाला, तलाक, बहुविवाह पर रोक

देहरादून, 27 जनवरी। उत्तराखंड ने आज एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आधिकारिक पोर्टल लॉन्च कर इस बात की घोषणा की। इसके साथ ही उत्तराखंड, भारत का पहला राज्य बन गया है जहाँ यूसीसी लागू हुआ है। 27 जनवरी को यूसीसी लागू करने की तारीख पहले से ही निर्धारित थी।

मुख्यमंत्री धामी ने पोर्टल लॉन्च के अवसर पर कहा, आज का दिन न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है। इस द्वा्रपट को बनाने में टीम ने अथक परिश्रम किया है। हमने जनता से किया हुआ वादा पूरा किया है। यूसीसी किसी भी धर्म के विरुद्ध नहीं है, बल्कि इससे राज्य में सभी धर्मों की महिलाओं को समान अधिकार मिलेंगे। यूसीसी से महिला सशक्तिकरण को



बढ़ावा मिलेगा और हलाला प्रथा, बहुविवाह और बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं पर रोक लगेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह कानून समाज में समानता लाएगा और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और दायित्व सुनिश्चित करेगा। यूसीसी का उद्देश्य जाति, धर्म और लिंग के आधार पर व्यक्तिगत नागरिक मामलों से संबंधित कानूनों में एकरूपता लाना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2022 के विधानसभा चुनावों में यूसीसी को एक

को निर्धारित किया गया है, जबकि बहुविवाह और हलाला जैसी प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में 27 मई 2022 को एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने लगभग डेढ़ वर्ष में विभिन्न वर्गों के साथ बातचीत के आधार पर चार भागों में तैयार अपनी रिपोर्ट 2 फरवरी 2024 को राज्य सरकार को सौंपी थी। इस रिपोर्ट के आधार पर 7 फरवरी 2024 को विधानसभा में विशेष सत्र में यूसीसी विधेयक पारित हुआ और एक महीने बाद, 12 मार्च 2024 को राष्ट्रपति ने भी इसे अपनी स्वीकृति दे दी।

उत्तराखंड यूसीसी विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, लिव-इन रिलेशनशिप और इनसे जुड़े अन्य विषयों को नियंत्रित करेगा। इस संहिता में सभी धर्मों के पुरुषों और महिलाओं के लिए शादी की समान उम्र, तलाक के आधार और प्रक्रियाओं

सभी पंचायतों एवं नगरीय वार्डों में तीन-तीन निक्षय मित्र बनाए जाए-चंद्रा

नीमच, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। टी.बी.मुक्त भारत अभियान के तहत जिले के सभी नगरीय निकाय वार्डों में और ग्राम पंचायतों में शासकीय कर्मचारियों के अलावा तीन-तीन जागरूक युवाओं को निक्षय मित्र बनाए निक्षय शिविरों में मोबिलाइज कर, अधिकाधिक संभावित टी.बी.मरीजों को शिविर में आकर एक्स रे एवं खंखार की जाँच करवाने के लिए प्रेरित करें। ग्रामीणों को टी.बी.रोग के लक्षणों की जानकारी देकर, निक्षय शिविरों का मुनादी व नगरीय क्षेत्रों में कचरा वाहनों के माध्यम से प्रचार-प्रसार करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टरेट सभाकक्ष नीमच से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तीनों एसडीएम, जनपद सीईओ एवं बीएमओं को बैठक में टी.बी.मुक्त 100 दिवसीय निक्षय अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए।

कलेक्टर ने जनपद सीईओ और एसडीएम को निक्षय अभियान सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा, कि उनके क्षेत्र में आयोजित होने वाले निक्षय शिविरों में मोबिलाइजेशन के कार्य में मैदानी अमले के साथ ही सरपंचों का भी सहयोग लिया जाए। कलेक्टर ने सभी बीएमओं को निर्देश दिए कि वे निक्षय



शिविरों में टी.बी.की जाँच के लिए हेण्ड होल्डिंग, एक्सरे मशीन का अधिकाधिक उपयोग करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि निक्षय शिविरों में जाँच में पॉजिटिव पाये जाने वाले सभी रोगियों को टी.बी.की दवाईयाँ उपलब्ध करवाई जाए। साथ ही उन्हें फूडबॉस्केट भी प्रदान करें। बैठक में बताया गया, कि अब तक नीमच जिले में 360 संभावित टी.बी.रोगी चिन्हित किए गए हैं और 486 फूड बाक्सेट भी वितरित किए जा चुके हैं। अब तक जिले में इस अभियान के तहत 6200 से अधिक संभावित रोगियों के एक्सरे किए जा चुके हैं। बैठक में बताया गया, कि 28 व 29 जनवरी 2025 को जावद क्षेत्र के ग्राम चार्वडिया एवं 28 जनवरी को मनासा क्षेत्र के सोनडी, जोड़मी, नाली एवं बुरावन ग्राम में निक्षय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। निक्षय मित्र बनने के लिए

निक्षय मित्र का नाम, मोबाईल नम्बर, ई-मेल आईडी एवं पते की आवश्यकता होती है। कोई भी निक्षय मित्र बनने के लिए <https://communitysupport.nikshay.in> पर जाकर संबंधित जानकारी दर्ज कर निक्षय मित्र बन सकता है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, नोडल अधिकारी डॉ.मनीष यादव भी उपस्थित थे।

जनमानस के कष्टों को मिटाने के लिये महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ती है-सांसद गुर्जर

लायंस क्लब मंदसौर का 26 जनवरी को निरंतर 50वां नेत्र शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। लायंस क्लब सेवा गतिविधियाँ निरंतर कर रहा है जो सुखद और पुण्य का काम है। जनमानस के कष्टों को मिटाने के लिये महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ती है तभी सेवा कार्य पूर्णता प्राप्त करता है। कष्ट दूर करने से मानसिक संतोष मिलता है, आत्मसंतोष होता है। परमात्मा की सृष्टि में कई सारी अच्छी व्यवस्थाएँ हैं, फिर भी कुछ अव्यवस्थाओं को दूर करने के लिये आप जैसी समाजसेवी संस्थाएं और सरकार कार्य करती है। आपकी अन्तर्राष्ट्रीय लायंस क्लब जैसी श्रेष्ठ संस्था उसमें पूर्ण रूप से सहयोग कर उचित व्यवस्था बनाती है।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने लायंस क्लब मंदसौर



के 50वें (स्वर्ण जयंती वर्ष) के नेत्र शिविर में प्रकट किये। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में किसी को आई दिक्कत को समझना, उसे दूर करना यह हमारा मानवता के नानाते प्रथम धर्म है जो आपका क्लब इस कर्तव्य को निभाता है। मनुष्य को जगमगाता दिखाई देते देते जब अंधकारमय दृष्टि हो जाती है तब परफेक्ट

नाहरगढ़ के बदमाश जावरा मंदिर में चोरी के मामले में पकड़ाए

जावरा, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के बदमाश रतलाम जिले के जावरा में मंदिर चोरी मामले में पकड़ाए है। बदमाशों ने जावरा सहित 05 मंदिर में चोरी करना कबूल किया है। जावरा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती 05 अक्टूबर 24 को भेरुलाल पिता भगत राम शर्मा उम्र 45 साल निवासी रेवास ने बताया कि नवरात्री का समय होने से आज रात्री मे करीबन 12 बजे पूजा अर्चना कर मंदिर का दरवाजा बंद करके ताला लगा दिया था। मुझे करीब पौने 5 बजे सुबह मेरे गांव के कन्हैयालाल पाटीदार ने आवाज लगा कर जगाया और बोला कि अम्बे माता मंदिर गेट के ताले टूटे हुए है। जब हमने देखा तो अम्बे माता मूर्ति से एक चांदी का मुकुट 2 किलो, एक चांदी का हार

400 ग्राम, एक जोड़ चांदी के पाड़जेब 300 ग्राम, एक जोड़ सोने के टापस 10 ग्राम, एक सोने का हार 20 ग्राम तथा एक सोने की नथ 10 ग्राम नहीं मिले। कोई अज्ञात बदमाश मंदीर के मेन गेट का ताला एवं गर्भ गृह का ताला तोड़ कर अंबे माता मूर्ति से सोने के 4 तोला एवं चांदी के आभुषण करीबन 2 किलो 700 ग्राम चुरा कर ले गए है जिसकी थाने पर एफआईआर करवाई।

पुलिस ने चोरी गथेमश्रुका की तलाश घटना स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज, सायबर सेल की मदद से साक्ष्य एवं संदिग्धों की फोटो के आधार पर गांव-गांव में अज्ञात आरोपियों की तलाश की गई, जो तलाश के दौरान थाना नाहरगढ पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये आरोपियो की संलिप्तता पाई जाने की आशंका पर थाना नाहरगढ व्दारा गिरफ्तार किये आरोपी अशोक पिता कंवरलाल बाछडा

उम्र 48 साल निवासी ग्राम खुटी थाना नाहरगढ जिला मन्दसौर, दीपक उर्फ माधु पिता कचरलाल मालवीय जाति बाछडा उम्र 32 साल निवासी ग्राम काल्याखेडी थाना नाहरगढ जिला मन्दसौर, विकास पिता कचरलाल बाछडा उम्र 21 साल निवासी ग्राम काल्याखेडी थाना नाहरगढ जिला मन्दसौर को गिरफ्तार कर पुछताछ की गई आरोपी अशोक बाछडा ने अपने साथी दीपक उर्फ माधु बाछडा, विकास बाछडा के साथ मिलकर ग्राम रेवास में

अम्बे माता मन्दिर आकर घटना करना स्वीकार किया। आरोपी से मन्दिर में चोरी किये जेवर जप्त किये गये। गिरफ्तार आरोपियो ने रतलाम जिले के थाना बडावदा, थाना पिपलोदा, थाना नामती में अन्य 05 जगह भी मन्दिर में चोरी करना स्वीकार किया है। संंधित थाने को आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचित किया गया। जिसने निम्न थाने के अपराध मे संलिप्तता होना पाई गयी।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला सम्मेलन एवं कार्ड वितरण कार्यक्रम सम्पन्न



हुए अपने स्वागत उद्बोधन में जिला अध्यक्ष प्रदीप जैन ने अपने विचार पत्रकारों के बीच साझा किये जिला अध्यक्ष प्रदीप जैन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि अपने आपसी राा द्वेष भूलकर पत्रकार हितों को ध्यान में रखते हुए एक झंडे के नीचे रहे एकता में बहुत ताकत होती है। सामूहिक एकता से ही किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। आपने कहा कि पत्रकार हितों की रक्षा करने वाला संगठन मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संगठन ही है। कार्यक्रम में बोलते हुए संभागीय अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह राणा ने वर्तमान समय में पत्रकार को ही पत्रकारिता की कटती काटने में लगे हुए होने कि बात कही आपने कहा पत्रकारों

को अपने सम्मान के लिए पहले स्वयं एकत्रित होना पड़ेगा ऐसे विचार पत्रकारों के बीच रखे अतिथि उद्बोधन में डॉं सीमा अजय तिवारी ने कहा कि किसी नगर के विकास में पत्रकारों का अहम रोल होता है मनासा के विकास में भी पत्रकार अहम भूमिका निभा रहे हैं समाज सेवी अजय तिवारी ने भी बहुत ही सार गर्भित उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में बोलते वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद रामावत ने वर्तमान की पत्रकारीता पर

अज्ञात वाहन की टक्कर

से बाइक सवार घायल

पिपलियामंडी, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। रेलवे ओवरब्रिज पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के बाद रेफर कर दिया। दुर्घटना शाम 6 बजे करीब बाइक (एमपी 14 एनजी 1889) पर सवार खाखरियाकला (झालावाड़) निवासी श्रवणसिंह (40) पिता विजयसिंह को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, सिर पर चोट लगने से वह घायल हो गया। दुर्घटना के दौरान गुजर रहे किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने प्रवीण बुनकर व अन्य लोगों की मदद से अपने वाहन से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भर्ती करवाया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। बताय गया श्रवणसिंह गांव चावली आया था।

पार्षद पति व नेता प्रतिपक्ष के बीच मारपीट

पिपलियामंडी, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गणतंत्र दिवस पर नगर परिषद् परिसर में नेता प्रतिपक्ष व पार्षद पति के बीच मारपीट हो गई। दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस चौकी पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष के अनुसार रविवार को गणतंत्र दिवस पर सभी एकत्रित हुए थे, इसी दौरान किसी नामान्तरण प्रकरण को लेकर नेता प्रतिपक्ष सरफराज मेव व पार्षद पति कमल उर्फ टोनु तिवारी के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस चौकी पर शिकायत दर्ज कराई। चौकी प्रभारी रितेश नागर ने बताया पार्षद पति तिवारी की रिपोर्ट पर सरफराज मेव के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।

कार्यालय पंजीयन प्राधिकरण एवं जिला परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)	
क्रमांक-क्यू	मंदसौर, दिनांक-27.01.2025
विज्ञप्ति	
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जसीम मेव पिता हसन खां झोपड़पट्टी, पिपलियामंडी मंदसौर आधार कार्ड के अनुसार मेरे पिताजी का नाम झुपड़पट्टी लायसेंस में परिवर्तन करवाना चाहता हूँ।	
इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपति हो तो वो विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा व नाम परिवर्तन कर दिया जावेगा।	
गलत नाम	सही नाम
हसन खां	गनी मोहम्मद
अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर	



कबीर इंटरनेशनल स्कूल में मनाया 76 वां गणतंत्र दिवस

मंदसौर, 27 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। ‘भीमराव की चली लेखनी’, दूर हुआ अधियारा है, सबसे न्यारा सबसे प्यारा, सुसंविधान हमारा है.....’ इसी भावना को ध्यान में रखते हुए कबीर इंटरनेशनल स्कूल गुड्रेली, में गणतंत्र दिवस आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का आरंभ विद्यालय के डायरेक्टर डॉक्टर कमलेश जी पमनानी, डॉं रश्मि जी पमनानी तथा मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती कोमल जी परमार द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया। इसके पश्चात रांगारां प्रस्तुतियों का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कक्षा छठी, सातवीं और आठवीं के छात्र-छात्राओं ने अपने नृत्य के माध्यम से देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया। कक्षा चौथी से छठी तक के छात्र छात्राओं ने योग के माध्यम से अपनी कला को दर्शाया तथा योग की उपयोगिता को बताया। नन्हे मुन्हे बच्चों ने अपने नाटकों के माध्यम से समाज को एकता तथा स्वच्छता अभियान का संदेश दिया। कक्षा नवी के छात्र रुद्र प्रताप ने अपनी कविता के माध्यम से भारत की महिमा की व्याख्या की। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थियों ने संविधान में व्यक्तियों के मौलिक अधिकार और कर्तव्यों के बारे में समझाते हुए किया ,साथ ही समझाया कि सभी को संविधान की गरिमा को सदैव बनाए रखना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के डायरेक्टर डॉक्टर कमलेश जी पमनानी ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम की रूपरेखा विद्यालय के शिक्षक आसिफ खान द्वारा तैयार की गई और आभार वाइस प्रिंसिपल श्रीमती प्रीति कपूर ने माना।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट
कार्यालय व निवास -207 तिरुपति नगर, होटल सबाट के सामने पानी की टंकी के पास रंदेशन रोड, मंदसौर (मप्र) -458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com दिनांक 25.01.2025
*** जाहिर सूचना ***
सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा मंगलेश पिता मथुरालाल, जाति राठौर, निवासी ग्राम पानपुर, तहसील व जिला मंदसौर से आवसीय भूमि सर्व क्रमांक 882 / 1 / 2 (बी) भूखण्ड क्रमांक 529 (पी) पटवारी हल्का नं.-00089 पर दर्ज होकर पता ग्राम पानपुर, तहसील व जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड स्वत्व त्याग विलेख ई 24.01.2025 से मेरे पक्षकार प्रीति पति मंगलेश, जाति राठौर, निवासी-ग्राम पानपुर, तहसील व जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय महाराष्ट्र में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पेमाईश निम्नानुसार है-
पूर्व में-खुली भूमि, पश्चिम में-रारता, उत्तर में-महेताबरसिंह का प्लाट, दक्षिण में-गणपतसिंह का मकान, पेमाईश रकबा-50 वर्ग मीटर,
उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandasaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद पुजर्ने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी को सूचित हो।
भवदीय राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर